>

Title: Need to include Magahi language in the Eighth Schedule to the Constitution.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) ः मगही बिहार के जन-जन की भाषा है और बिहार के नालन्दा, नवादा, पटना, गया, औरंगाबाद, बाढ़, शेखपुरा, बख्तियारपुर, फतुहां, ढेकारी, हिसुआ, राजगीर इत्यादि स्थानों पर बोली जाती है। इसको बोलने वाले लगभग 5 करोड़ लोग है लेकिन इसको अभी तक संविधान की आठवीं अनुसूची में नहीं लिया गया है। बिहार के लोग इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं, आंदोलनरत हैं लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। मगही, मगध क्षेत्र की भाषा है। मगही, मगध का ही अपभ्रंश है। मगध साम्राज्य को आज इतिहास भूल नहीं सकता।

इसलिए, मैं सरकार से मांग करता हूं कि वो मगही भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में ले लें।